IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.301
Volume 3, Issue 5, June 2023

स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान राष्ट्रीय घटनाओं की प्रेरक तत्व के रूप में भूमिका: हिसार क्षेत्र विशेष में राजनैतिक चेतना एवं भागीदारी के संदर्भ में

पुष्पा कुमारी[1] एवं डॉ. जयवीर सिंह[2]
शोधार्थी, इतिहास विभाग
सहायक आचार्य, इतिहास विभाग
ओ. पी. जे. एस विश्वविद्यालय, चुरु, राजस्थान

अंग्रेजी शासन भारतीय समाज के किसी भी वर्ग के लिए कभी भी हितकर नहीं था। सन 1757 में अंग्रेजी शासन की स्थापना के बाद से ही धीरे-धीरे स्थानीय जनता में अंग्रेजी शासन के प्रति कटुता एवं रोष की भावना बढ़ती चली गई। 1857 के विद्रोह से पहले अंग्रेजों की प्रशासनिक व्यवस्था, राजनीतिक और आर्थिक क्षेत्र में किए गए शोषण और समाज व धर्म में असहनीय हस्तक्षेप की वजह से भारत की जनता में गहरा असंतोष व्याप्त था। जिसे समय-समय पर छिट पुट विद्रोह के द्वारा जताया भी जाता रहा। 1857 के समय एवं उसके बाद 1947 तक निरंतर गतिमान स्वतंत्रता आंदोलन में हिसार क्षेत्र जिसमें उस समय हिसार, भिवानी, फतेहाबाद और सिरसा के क्षेत्र शामिल थे, की जनता ने प्रमुख रूप से अपना योगदान दिया। राष्ट्रीय स्तर पर हो रही विभिन्न घटनाओं ने किस प्रकार हिसार क्षेत्र में प्रेरक शक्ति के रूप में कार्य किया, इसको निम्न प्रकार से स्पष्ट किया जा सकता है-

संदर्भ सूची

- गुप्ता, जुगलकिशोर (1991), हिस्टरी ऑफ सिरसा टाउन, अटलांटिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स,नई दिल्ली
- जुनेजा, एम. एम.(1981), एमिनेंट फ्रीडम फाइटर्स इन हरियाणा, मॉडर्न बुक कंपनी, हरियाणा
- डॉ॰ महेंद्र सिंह(2019), हिसार-ए-फिरोजा: इतिहास के झरोखे में, रिसर्च इंडिया प्रेस, नई दिल्ली
- डॉ॰ महेंद्र सिंह(2021), हरियाणा में 1857: जनविद्रोह, दमन व लोक चेतना, पाठक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली
- परदमन सिंह एवं एस॰ वी॰ शुक्ला, (1991) फ्रीडम स्ट्रगल इन हरियाणा एंड इंडियन नेशनल कांग्रेस 1885-1985, दिल्ली
- यादव, के. सी.(2003), हरियाणा इतिहास एवं संस्कृति, भाग-2, मनोहर पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रिब्यूटर्स, नई दिल्ली